परमेश्वर का राज्य पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना

सत्र एक

दाखलता का उदाहरण

यूहन्ना 15:1-8 पढ़ें। सफलता का रहस्य क्या है?

_____

यूहन्ना 4:32-35 पढ़ें। यीशु का भोजन क्या है?

_____

पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना तथा उपयुक्त अर्थ की प्रयुक्ति करना

पवित्रशास्त्र को उपयुक्त अर्थ देना महत्त्वपूर्ण क्यों है?

_____

_____

_____

हम विभिन्न तथ्यों के साथ जिस अर्थ को जोड़ते हैं उसे कौन सी विभिन्न बातें प्रभावित करती हैं?

1. _____

2. _____

वर्णन / विवरण (उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती, व्यवस्थाविवरण, यहोशू, न्यायियों, रूत, 1 तथा 2 शमूएल, 1 तथा 2 राजा, 1 तथा 2 इतिहास, एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर, योना तथा सम्भवतः प्रेरितों के काम); **भजन / गीत / काव्य** (भजन संहिता, श्रेष्ठगीत, विलापगीत); **प्रज्ञा / नीतिवचन** (अय्यूब, नीतिवचन, सभोपदेशक); **पत्र / पत्रियाँ** (रोमियों, 1 कुरिन्थियों, 2 कुरिन्थियों, गलातियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, 1 थिस्सलुनीकियों, 2 थिस्सलुनीकियों, 1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस, तीतुस, फिलेमोन, (सम्भवतः इब्रानियों), याकूब, 1 पतरस, 2 पतरस, 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना, 3 यूहन्ना तथा यहूदा)। **नबूवतें** (यशायाह, यिर्मयाह, यहेजकेल, दानिय्येल, होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह, हाग्गै, जकर्याह, मलाकी); **सुसमाचार** (मत्ती, मरकुस, लूका, तथा यूहन्ना); **अथवा अन्त समय / भविष्यसूचक** (दानिय्येल तथा प्रभु यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य)।

3. _____

4. _____

5. _____

वे छः शब्द कौन से हैं जो प्रश्नवाचक है?

1. _____ 2. _____

3. _____ 4. _____

5. _____ 6. _____

सामूहिक अभ्यास

मत्ती 7:15-23 पढ़ें। इन पदों में कौन से लोग हैं? _____

_____

कौन बोल रहा है? _____

वह **किससे** बोल रहा है? (मत्ती 5:1 पढ़ें) _____

वह **किसके** बारे में बोल रहा है? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

मत्ती की पुस्तक/अध्यायों, नया नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है?

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

_____

साराँश

वे प्रमुख बिन्दु **क्या** हैं जिन्हें हमें पवित्रशास्त्र के लिए उपयुक्त अर्थ को प्रयुक्त करते समय ध्यान में रखना है?

3. _____

3. _____

3. _____

3. _____

3. _____

परमेश्वर का राज्य पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना

सत्र दो

लेखन शैली

वर्णन/विवरण / दृष्टान्त

(उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती, व्यवस्थाविवरण, यहोशू, न्यायियों, रूत, 1 शमूएल, 2 शमूएल, 1 राजा, 2 राजा, 1 इतिहास, 2 इतिहास, एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर, योना तथा सम्भवतः प्रेरितों के काम)।

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण क्या है?

_____

_____

_____

परमेश्वर ने अपनी प्रज्ञा में होकर सम्वाद के लिए उसी पद्यति को प्रयुक्त किया जो उस समय के लोग प्रयुक्त किया करते थे। बाइबल के माध्यम से परमेश्वर ने अपने विषय में तथ्य प्रस्तुत किए, जिसमें उसने प्रकट किया कि वह कौन है, और संसार की उत्पत्ति के पूर्व से ही उसकी योजना क्या है।

बाइबल में वर्णित घटनाओं/विवरणों में कौन से तीन स्तर हैं?

1. _____

_____

2. _____

_____

3. _____

_____

उत्पत्ति 1:1-2:3 पढ़ें। इन पदों में **कौन** से लोग हैं? _____

_____

कौन बोल रहा है? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

उत्पत्ति की पुस्तक/अध्यायों, पुराना नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है?

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

_____

_____

_____

_____

उत्पत्ति 1:26 तथा **उत्पत्ति 3:22** तथा **उत्पत्ति 11:7** तथा **यशायाह 6:8** पढ़ें।

पवित्रशास्त्र के इन चार पदों में परमेश्वर स्वयं को कैसे सम्बोन्धित करता है?

_____

हमें क्या लगता है कि परमेश्वर हम पर क्या प्रकट करना चाह रहा है? _____

_____

_____

_____

उत्पत्ति 1:6-28, उत्पत्ति 2:8-9 और **उत्पत्ति 2:15** में परमेश्वर का मनुष्य के साथ कैसा सम्बन्ध है?

_____

उत्पत्ति 3:22-24 में परमेश्वर का मनुष्य के साथ कैसा सम्बन्ध है?

_____

उत्पत्ति 11:1-8 में परमेश्वर का मनुष्य के साथ कैसा सम्बन्ध है?

_____

यशायाह 6:8-10 में परमेश्वर का मनुष्य के साथ कैसा सम्बन्ध है?

_____

यूहन्ना 3:3-6 तथा **यूहन्ना 3:3-6** तथा **मत्ती 3:2** तथा **1 यूहन्ना 3:3-6** पढ़ें।

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं?

_____

_____

उत्पत्ति 1:1-2:3 पर वापिस आएँ। इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीख सकते हैं?

_____

_____

_____

ऐसी कौन सी बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

_____

आज इसके हमारे लिए क्या मायने हैं? _____

सामूहिक कार्यशाला

अध्ययन 1: दो वृक्षों का वर्णन - उत्पत्ति 2:3-24. अध्ययन 2: पतित मानव का वर्णन - उत्पत्ति 3:1-24. अध्ययन 3: बाबेल का गुम्मट - उत्पत्ति 11:1-9. अध्ययन 4: अब्राहाम के आह्वान का वर्णन - उत्पत्ति 12:1-9. अध्ययन 5: अब्राहाम तथा इसहाक का वर्णन - उत्पत्ति 22:1-18.

इन पदों में **कौन** से लोग हैं? _____

_____

कौन बोल रहा है? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

उत्पत्ति की पुस्तक / अध्यायों, पुराना नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है?

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? _____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **कौन सी** एक बात सीख सकते हैं? _____

इस कहानी में अभी **कौन सा** स्तर है? _____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

_____

_____

_____

भजन / गीत / काव्य

(भजन संहिता, श्रेष्ठगीत, विलापगीत)।

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण क्या है?

_____

_____

_____

ये भावनात्मक हैं तथा इनमें मनुष्य की भावनाएँ सम्मिलित हैं। 8 प्रकार के भजन/गीत/काव्य कौन से हैं?

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____
7. _____
8. _____

भजन 3 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 12 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 23 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 47 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 67 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 49 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 78 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 100 पढ़ें। यह किस प्रकार का भजन है? _____

भजन 1

इन पदों में **कौन** से लोग हैं? _____

_____

कौन बोल रहा है? _____

वह **किसके** बारे में बोल रहा है? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

भजन संहिता की पुस्तक/अध्यायों, पुराना नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है?

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

_____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **कौन सी** एक बात सीख सकते हैं? _____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

_____

_____

परमेश्वर का राज्य पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना

सत्र तीन

लेखन शैली

प्रज्ञा

(अय्यूब, नीतिवचन, सभोपदेशक)।

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण क्या है?

_____

_____

नीतिवचन 8:22-31 पढ़ें। इन पदों में **कौन** से लोग हैं? _____

_____

कौन बोल रहा है? **नीतिवचन 1:1** पढ़ें। _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

नीतिवचन की पुस्तक/अध्यायों का सन्दर्भ **क्या** है? **नीतिवचन 8:12-22** तथा **नीतिवचन 1:1-7** पढ़ें। _____

_____

पुराना नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है? _____

_____

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **क्या** सीख सकते हैं?

_____

_____

_____

ऐसी **कौन** सी बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

_____

नबूवत / नबी

(यशायाह, यिर्मयाह, यहेजकेल, दानिय्येल, होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह, हाग्गै, जकर्याह, मलाकी)।

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण **क्या** है?

_____

नबी की प्रमुख भूमिका **क्या** है? _____

_____

नबी मुख्यतः **किस** समयकाल के सन्दर्भ में बात करते हैं? _____

नबूवत को पढ़ते समय यह स्मरण रखना महत्त्वपूर्ण है कि यीशु ने इस्राएल के मिशन तथा इस्राएल की नियति को पूर्ण किया।

यशायाह 49:1-13 पढ़ें। इन पदों में **कौन** से लोग हैं? _____

सेवक **कौन** है? _____

कौन बोल रहा है? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

यशायाह की पुस्तक/अध्यायों का सन्दर्भ क्या है? यशायाह 1:1, यशायाह 6:8-13 तथा यशायाह 42:1-9, यशायाह 48-49, तथा यशायाह 53 पढ़ें। _____

_____

_____

_____

_____

_____

यशायाह 49 पर वापिस जाएँ, **विशेषकर पद 6** पर।

पुराना नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है?

उत्पत्ति 12:1-3 तथा **उत्पत्ति 22:18** पढ़ें। सेवक किसके आह्वान को पूर्ण करता है? _____

निर्गमन 19:5-6 पढ़ें। सेवक किसके आह्वान को पूर्ण करता है? _____

यीशु की मृत्यु तथा पुनरुत्थान के पश्चात परमेश्वर की सनातन योजना को पवित्रात्मा के द्वारा प्रणिधियों के माध्यम से पूर्ण किया गया। **प्रेरितों के काम 13:47** तथा **प्रेरितों के काम 26:22-23** पढ़ें।

यीशु ने इस्राएल के मिशन तथा इस्राएल की नियति को पूर्ण किया। यीशु ने अन्यजातियों के मिशन तथा अन्यजातियों की नियति को पूर्ण किया।

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

_____

_____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **क्या** सीख सकते हैं?

_____

_____

ऐसी **कौन सी** बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

यीशु ने इस्राएल के मिशन तथा इस्राएल की नियति को पूर्ण किया।
यशायाह 11:1-9 पढ़ें। इन पदों में कौन से लोग हैं? _____

तना कौन है तथा अंकुर **कौन** है? _____

कौन बोल रहा है? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

नबी की प्रमुख भूमिका **क्या** है? _____

_____

यशायाह की पुस्तक/अध्यायों का सन्दर्भ **क्या** है? **यशायाह 10** _____

_____

यशायाह 12 _____

_____

पुराना नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है? _____

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? **यशायाह 1:1, 2 राजा 15:32-37** तथा **2 राजा 16:2-6** पढ़ें। _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

_____

_____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **क्या** सीख सकते हैं?

_____

_____

_____

ऐसी **कौन सी** बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

_____

आज इसके हमारे लिए क्या मायने हैं? _____

_____

_____

परमेश्वर का राज्य पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना

सत्र चार

लेखन शैली

सुसमाचार

(मत्ती, मरकुस, लूका तथा यूहन्ना)।

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण क्या है?

_____

_____

_____

प्रत्येक सुसमाचार में भिन्नताएँ क्यों हैं? _____

_____

अनेक लोगों की मान्यता यह है कि मत्ती उल्लिखित सुसमाचार के विषय-वस्तु को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है यह सुसमाचार मूलतः यहूदियों के लिए लिखा गया था।

मत्ती 1:1 पढ़ें। आप के अनुसार मत्ती ने दाऊद तथा अब्राहाम से ही क्यों आरम्भ किया?

_____

_____

_____

मत्ती 4:5 पढ़ें। आपके अनुसार मत्ती ने पवित्र नगर का नाम क्यों नहीं बताया?

_____

मत्ती उल्लिखित सुसमाचार के कुछ विषय-वस्तु बताएँ जो यहूदी दृष्टिकोण के अनुसार हैं?

_____

_____

_____

मत्ती यीशु की यहूदी वंशावली को सम्मिलित करता है।
मत्ती द्वारा किए गए यीशु के चित्रण का साराँश क्या है?

_____

मत्ती उल्लिखित सुसमाचार के अनुसार यीशु के लिए ऐसे कौन से शीर्षक का उपयोग किया गया है जो यीशु को यहूदी राजा के रूप में चित्रित करता है? _____

_____

अनेक लोगों की मान्यता यह है कि मरकुस उल्लिखित सुसमाचार के विषय-वस्तु को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है यह सुसमाचार मूलतः अयहूदी मसीहियों के लिए लिखा गया था।

मरकुस 1:1-8 पढ़ें। आपके अनुसार यूहन्ना बपतिस्ता की भूमिका और गवाही को प्रकट करने के लिए मरकुस पुराना नियम में से दो पदों को एकसाथ क्यों लिखता है?

_____

_____

_____

मरकुस 7:2-4 पढ़ें। आपके अनुसार मरकुस ने पूरी यहूदी रीति का विवरण क्यों दिया?

_____

_____

मरकुस 13:3 की तुलना **मत्ती 24:3** तथा **लूका 21:7** से करें। क्या भिन्नताएँ हैं?

_____

_____

_____

_____

मरकुस यीशु की किसी भी वंशावली या मूल को सम्मिलित नहीं करता है।
मरकुस द्वारा किए गए यीशु के चित्रण का साराँश क्या है?

_____

मरकुस उल्लिखित सुसमाचार के अनुसार यीशु के लिए ऐसे कौन से शीर्षक का उपयोग किया गया है जो यीशु को परमेश्वर के अभिषिक्त सेवक के रूप में चित्रित करता है?

_____

अनेक लोगों की मान्यता यह है कि लूका उल्लिखित सुसमाचार के विषय-वस्तु को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है यह सुसमाचार मूलतः अयहूदियों तथा यहूदियों के लिए लिखा गया था। लूका ने स्वयं प्रत्यक्ष रूप से कुछ नहीं देखा था, किन्तु उसने प्रत्यक्षदर्शियों के विवरण को प्रयुक्त किया।

_____

लूका 1:1-4 पढ़ें। इन पदों में से हम लूका द्वारा इस सुसमाचार को लिखे जाने के उद्देश्य तथा थियुफिलुस के विषय में क्या सीखते हैं?

_____

लूका यीशु की एक वंशावली को सम्मिलित करता है।
लूका द्वारा किए गए यीशु के चित्रण का साराँश क्या है?

_____

लूका उल्लिखित सुसमाचार के अनुसार यीशु के लिए ऐसे कौन से शीर्षक का उपयोग किया गया है जो यीशु को परमेश्वर के कृपावान, अभिषिक्त जन के रूप में चित्रित करता है?

_____

यूहन्ना 20:31 पढ़ें। यूहन्ना ने यूहन्ना उल्लिखित सुसमाचार क्यों लिखा? _____

_____

यूहन्ना उल्लिखित सुसमाचार यीशु की एक शक्तिशाली प्रस्तुति है कि किस प्रकार परमेश्वर ने लहू तथा माँस का रूप धारण किया। यूहन्ना उपयुक्त विश्वास पर और यीशु तथा पिता की वास्तविकता को प्रकट करने पर केन्द्रित था।

यूहन्ना 1:1-2 पढ़ें। शब्द कौन है? _____

यूहन्ना 1:1 की तुलना उत्पत्ति 1:1 से करें। इन दोनों पदों में क्या समानता है? _____

_____

परमेश्वर शब्द पर नोट्स _____

_____

_____

_____

'*…यही शब्द आदि में परमेश्वर के साथ था।*' यह कथन हमें परमेश्वर के विषय में क्या बताता है? _____

_____

यूहन्ना 1:14 पढ़ें। किसने देह धारण किया? _____

एकमात्र शब्द पर नोट्स _____

_____

_____

_____

यूहन्ना 8:48-59 पढ़ें। यीशु किनसे बात कर रहा है? _____

पद 58 तथा फिर **निर्गमन 3:14** पढ़ें। परमेश्वर क्या कहता है कि वह कौन है? _____

यूहन्ना 8:59 में आपके अनुसार यहूदी यीशु का पथराव क्यों करना चाहते थे? **लैव्यव्यवस्था 24:16** पढ़ें।

_____

सन्दर्भ के बारे में नोट्स _____

_____

_____

_____

यदि सुसमाचारों के सन्दर्भ में कहें तो यीशु के आगे दण्डवत किया गया तथा उसने पाप क्षमा किए, ये दोनों ही बातें केवल परमेश्वर ही कर सकता है। यूहन्ना उपयुक्त विश्वास पर केन्द्रित है…यह विश्वास कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है। परमेश्वर के पुत्र से उसका लक्षित अर्थ यह था: इतिहास के उस क्षण में परमेश्वर ने माँस और लहू का रूप धारण कर लिया, कि हमारे स्थान पर माँस और लहू का बलिदान बन जाए, ताकि हम आत्मा से जन्म ले सकें। परमेश्वरत्व में उपस्थित सम्बन्ध को प्रकट करने के लिए, पिता तथा आत्मा को प्रकट करने के लिए।

यूहन्ना यीशु के अनन्त मूल को सम्मिलित करता है।
यूहन्ना द्वारा किए गए यीशु के चित्रण का साराँश क्या है?

_____

यूहन्ना उल्लिखित सुसमाचार के अनुसार यीशु के लिए ऐसे कौन से शीर्षक का उपयोग किया गया है जो यीशु को परमेश्वर के रूप में चित्रित करता है?

_____

प्रत्येक सुसमाचार परमेश्वर की आत्मकथा तथा योजना का एक अंश है। जिसमें लूका द्वारा यीशु के *मनुष्य के पुत्र* के रूप में चित्रण, मत्ती द्वारा *प्रतिज्ञात यहूदी राजा* के रूप में चित्रण, मरकुस द्वारा *अभिषिक्त सेवक* के रूप में चित्रण तथा यूहन्ना द्वारा *देहधारी हुए परमेश्वर* के रूप में चित्रण के माध्यम से हमें यह विस्तृत प्रकाशन प्राप्त होता है कि परमेश्वर कौन है और उसने क्या किया है।

यह जानना महत्त्वपूर्ण क्यों है कि लक्षित पाठक कौन हैं तथा सुसमाचार के लिखे जाने का उद्देश्य क्या है?

_____

परमेश्वर का राज्य और स्वर्ग का राज्य

परमेश्वर का राज्य क्या है? _____

_____

नया नियम में प्रत्येक सुसमाचार में (परमेश्वर का) राज्य शब्द का उल्लेख करने वाले प्रथम पद

मत्ती 3:2 तथा **मत्ती 4:17** पढ़ें। _____ का राज्य।

मरकुस 1:14-15 पढ़ें। _____ का राज्य।

लूका 4:43 पढ़ें। _____ का राज्य।

यूहन्ना 3:3-6 पढ़ें। _____ का राज्य।

क्या परमेश्वर का राज्य तथा स्वर्ग का राज्य एक ही है? _____

लूका 4:18-19 पढ़ें। **कौन** से लोग हैं? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

सुसमाचारों का सन्दर्भ मत्ती 11:3-5 पढ़ें। याद रखें कि यूहन्ना बपतिस्ता ने इस प्रकार कहा था, मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है। यीशु ने इस प्रकार कहा, परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार मुझे दूसरे नगरों में भी पहुँचाना है।

यीशु ने यूहन्ना को इसका **क्या** प्रमाण दिया कि परमेश्वर का राज्य/स्वर्ग का राज्य पृथ्वी पर आ चुका है?_____

_____

_____

_____

_____

यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

इसका ऐतिहासिक सन्दर्भ **क्या** है? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **क्या** सीख सकते हैं? _____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

ऐसी **कौन सी** बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

परमेश्वर का राज्य पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना

सत्र पाँच

लेखन शैली

पत्र / पत्रियाँ

(रोमियों, 1 कुरिन्थियों, 2 कुरिन्थियों, गलातियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, 1 थिस्सलुनीकियों, 2 थिस्सलुनीकियों, 1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस, तीतुस, फिलेमोन, (सम्भवतः इब्रानियों), याकूब, 1 पतरस, 2 पतरस, 1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना, 3 यूहन्ना तथा यहूदा)

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण क्या है?

1. _____

2. _____

3. _____

_____

_____

पत्रों की व्याख्या करते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है? _____

_____

_____

इफिसियों 5:21-33 पढ़ें।

कौन से लोग हैं? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

इफिसुस की कलीसिया के विषय में हम **क्या** जानते हैं?

प्रेरितों के काम 18:18-21 पढ़ें। _____

प्रेरितों के काम 19:5-10 पढ़ें। _____

प्रेरितों के काम 19:18-20 पढ़ें। _____

प्रेरितों के काम 19:26-28 तथा **19:35-36** पढ़ें। _____

प्रेरितों के काम 20:28-30 पढ़ें। _____

प्रकाशितवाक्य 2:1-7 पढ़ें। _____

इफिसियों के पत्र की लेखन शैली कैसी है? _____

इफिसियों की पुस्तक/अध्यायों का सन्दर्भ **क्या** है? **इफिसियों 1:9-10** पढ़ें।

_____

शेष नया नियम तथा सम्पूर्ण बाइबल के सम्बन्ध में इसका सन्दर्भ **क्या** है? याद रखें कि परमेश्वर स्वयं को तथा अपनी योजना को प्रकट करना चाहता है।

उत्पत्ति 2:19-20 पढ़ें। क्या परमेश्वर ने पुरुष तथा स्त्री को एक समान सृजा या असमान? _____

उत्पत्ति 3:16-17 पढ़ें। पतन के पश्चात पुरुष तथा स्त्री एक समान रहे या असमान हो गए? _____

उत्पत्ति 4:7 पढ़ें। इस सन्दर्भ में *चाहत* का क्या अर्थ है? _____

इस सन्दर्भ में तुझ *पर प्रभुता* करेगा का **क्या** अर्थ है? _____

इस सन्दर्भ में *अधीनता* का **क्या** अर्थ है? _____

इस सन्दर्भ में *प्रेम* का **क्या** अर्थ है? _____

इफिसियों 5:21-33 पर वापिस जाएँ। यह सब **कहाँ** घटित हुआ? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

_____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **कौन सी** एक बात सीख सकते हैं? _____

इसमें से वह **क्या** है जो विशिष्ट रूप से उस समय की संस्कृति के लिए था और वह क्या है जो आज हमारे लिए भी लागू होता है? _____

_____

ऐसी **कौन सी** बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

1 तीमुथियुस 2:8-14 पढ़ें।

उस समय की यहूदी संस्कृति में महिलाओं को न तो शिक्षा दी जाती थी और न ही उन्हें शिक्षक बनने की अनुमति थी। फिर भी, पौलुस के सेवाकार्य के माध्यम से आरम्भिक कलीसिया इस पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य के प्रकाशन में वृद्धि कर रही थी, जहाँ यहूदी और अयहूदी, नर और नारी, सभी मसीह में एक समान हैं। पौलुस तीमुथियुस को ऐसे ही मसलों के विषय निर्देश दे रहा था।

पद 11 में तीमुथियुस को पौलुस क्या करने का निर्देश देता है? _____

जब पौलुस ने कहा कि स्त्रियों को सीखना चाहिए तो उसने यह किस भाव से कहा था? _____

पद 12 में पौलुस किस बात की अनुमति नहीं देता? _____

इस सन्दर्भ में उस *पर शासन करे* का **क्या** अर्थ है? _____

याद रखें कि इफिसुस की कलीसिया के सम्बन्ध में पौलुस के लिए सबसे बड़ा चिन्ता का विषय गलत शिक्षा है। इस सन्दर्भ में पौलुस पद 14 में सृष्टि की रचना तथा मनुष्य के पतन को वर्तमान परिस्थिति के साथ क्यों जोड़ता है?

_____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में कौन सी एक बात सीख सकते हैं? _____

इसमें से वह **क्या** है जो विशिष्ट रूप से उस समय की संस्कृति के लिए था और वह क्या है जो आज हमारे लिए भी लागू होता है?

_____

_____

ऐसी **कौन सी** बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

_____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

परमेश्वर का राज्य पवित्रशास्त्र की व्याख्या करना

सत्र छः

लेखन शैली

अन्त समय / भविष्यसूचक

(दानिय्येल तथा प्रभु यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य)

इन पुस्तकों की शैली ऐसी होने का कारण क्या है?

1. _____

2. _____

3. _____

अन्त समय से सम्बन्धित लेखों की व्याख्या में आने वाली कुछ समस्याएँ क्या हैं?

1. _____

2. _____

3. _____

प्रभु यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को समझने में मदद के लिए हमें दानिय्येल की पुस्तक को पढ़ने की आवश्यकता है। दानिय्येल की पुस्तक इस्राएल के परमेश्वर की प्रभुसत्ता और परमेश्वर के राज्य के लिये उसकी असली योजना की उद्घोषणा करने के लिये लिखी गयी है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को प्रकट करने के लिए लिखी गयी है। यह यीशु का प्रकाशन और परमेश्वर के राज्य के लिये उसकी योजना है।

दानिय्येल 7:9-14 पढ़ें।

कौन से लोग हैं? _____

लोग आपस में **कैसे** बातचीत करते हैं? _____

लेखन शैली **कैसी** है? _____

दानिय्येल की पुस्तक/अध्यायों, प्रभु यीशु मसीह का प्रकाशितवाक्य तथा सम्पूर्ण बाइबल का सन्दर्भ **क्या** है? याद रखें कि परमेश्वर स्वयं को तथा अपनी योजना को प्रकट करना चाहता है। _____

दानिय्येल 7:10 तथा **प्रकाशितवाक्य 20:11-12** पढ़ें। दोनों पदों में क्या समानता है? _____

_____

दानिय्येल 7:13 तथा **प्रकाशितवाक्य 1:7 (मत्ती 24:30)** पढ़ें। बादलों पर कौन आ रहा है? _____

दानिय्येल 7:14 तथा **प्रकाशितवाक्य 5:8-14** तथा **प्रकाशितवाक्य 17:14** तथा **प्रकाशितवाक्य 19:16** पढ़ें। इस राज्य का राजा **कौन** है? _____

दानिय्येल 7:17-18, 7:21-22, और 7:25-28 पढ़ें। यह राजा राज्य को **किसे** प्रदान करेगा? **प्रकाशितवाक्य 2:26-27** पढ़ें। यह राजा राज्य को **किसे** प्रदान करेगा, और किसे राष्ट्रों पर अधिकार प्राप्त होगा?

_____

दानिय्येल को यह नबूवत **कहाँ** दी गई थी? _____

यूहन्ना को यह नबूवत **कहाँ** दी गई थी? _____

यह सब **कब** घटित हुआ? ऐतिहासिक सन्दर्भ? _____

यह **क्यों** लिखा गया था? _____

इन पदों में से हम परमेश्वर के बारे में **कौन सी** एक बात सीख सकते हैं? _____

ऐसी **कौन सी** बातें हैं जो आज भी वैसी ही हैं? _____

आज इसके हमारे लिए **क्या** मायने हैं? _____

लेखन शैली

वाक शैली

लक्षित सन्देश को लोगों तक पहुँचाने के लिए बाइबल में प्रयुक्त वाक शैलियों की सूची बनाएँ।

1: _____ उदाहरण: **लूका 10:3**

2: _____ उदाहरण: **लूका 19:11-27**

3: _____ उदाहरण: **यशायाह 40:11**

4: _____ उदाहरण: **लूका 5:31-32**

5: _____ उदाहरण: **इफिसियों 6:10-17**

6: _____ उदाहरण: **गिनती 21:4-9**

(डण्डे को ऊपर उठाया जाना) तथा **यूहन्ना 3:14-15** (क्रूस ऊपर उठाया जाना)। अब्राहाम द्वारा इसहाक का बलिअर्पण परमेश्वर द्वारा यीशु के बलिअर्पण का प्रतीक था।